अनिवार्य है। इसके अभाव में किसी भी समूह का अस्तित्व नहीं रह सकता। इसकी मात्रा कम या ज्यादा हो सकती है, परन्तु यह अनिवार्य है। जैसे — परिवार रूपी समूह के सदस्य एक साथ रहने के लिए, भोजन बनाने के लिए, अर्थ उपार्जन के लिए और इसी तरह अन्य कार्यों के लिए सहयोग करते रहते हैं। प्रत्येक समूह का अस्तित्व सहयोग पर आधारित है।

(7) प्रभाव (Influence) :—

सामाजिक समूह के व्यक्तियों में एक दूसरे को प्रभावित करने की विशेषता होती है, इसके सदस्यों में एक दूसरे को अपने विचारों, भावों एवं भावनाओं का आदान - प्रदान होता रहता है। अतः समूह के प्रत्येक सदस्य एक दूसरे से प्रभावित होते हैं और एक दूसरे को प्रभावित करते हैं।

(8) निश्चित संरचना (Definite Structure) :—

सामाजिक समूह की एक निश्चित संरचना होती है। इस संरचना में प्रत्येक व्यक्ति का एक पद होता है और उससे संबंधित कार्य होते हैं। इस प्रकार पद और कार्य के भेद समूह की विशेषता है जिसे निश्चित संरचना कहते हैं।

(9) प्रतिमान (Norms) :—

प्रत्येक सामाजिक समूह का अपना प्रतिमान - नियम एवं कानून होता है। ये प्रतिमान ऐसे होते हैं जो व्यक्ति के आचरण को प्रभावित व निर्धारित करते हैं।

(10) सत्ता (Authority) :—

सामाजिक समूह एक सत्ता है। यद्यपि इसका निर्माण व्यक्तियों से [illegible] [illegible] एक [illegible] सीमित हो जाती है [illegible]